**अभ्यास व्यक्ति को पूर्ण बनाता है**

अभ्यास एक व्यक्ति के लिए किसी भी चीज को संभव बना सकता है। एक व्यक्ति नियमित अभ्यास द्वारा किसी भी क्षेत्र में निपुण बन सकता है। अभ्यास का अर्थ होता है दोहराना और तब तक दोहराना जब तक कि आप अपनी त्रुटियों को दूर न कर ले और उस प्रक्रिया में सफल न हो जायें, अभ्यास कमियों को नजरंदाज करके कार्य को पूर्णता के साथ पूरा करने में मदद करता है। अभ्यास बहुत ही महत्वपूर्ण वस्तु है, जिसे हमें अपने जीवन में अवश्य अपनाना चाहिए। यदि इसे अभिभावकों और शिक्षकों की मदद से बचपन में ही विकसित किया जाए, तो यह और भी अच्छा होता है।

**प्रस्तावना**

अभ्यास एक व्यक्ति को पूर्ण बनाता है”, इस कहावत का अर्थ है कि किसी भी विशेष क्षेत्र या विषय में सफल होने के लिए एक व्यक्ति को पूरी प्रतिबद्धता और रणनीति की योजना के साथ नियमित अभ्यास की आवश्यकता होती है। सफलता प्राप्त करना कोई आसान कार्य नहीं है। इसके लिए ज्ञान, कौशल, और सबसे अधिक महत्वपूर्ण नियमित अभ्यास की आवश्यकता होती है। यदि आप की इच्छा विश्व प्रसिद्ध संगीतज्ञ बनने की है, तो इसके लिए आपको संगीत के उपकरण, अच्छे शिक्षक की व्यवस्था, और इसे सीखने के लिए आवश्यक घंटों तक नियमित रुप से अभ्यास करना होगा। तभी जाकर आप संगीत क्षेत्र में महारथ हांसिल कर पायेंगे।

**विद्यार्थी के लिए अभ्यास**

आपको जो कार्य आप कर रहे हैं, उसमें पूर्णता लाने के लिए बहुत छोटी-छोटी गलतियों का ध्यान रखने के साथ ही अपने मार्गदर्शक की आज्ञा का सम्मान के साथ पालन करना पड़ता है। यदि हम सफल लोगों की सूची देखते हैं, तो हम देखते हैं कि वे अपने कार्य के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्धता के साथ नियमित अभ्यास को शामिल करते थे।

वे विद्यार्थी जो बोर्ड की परीक्षा में अच्छे अंक या पद प्राप्त करते हैं। वे पूरे वर्ष योजनाबद्ध तरीके से और खुली आँखों के माध्यम से पढ़ाई करते हैं। वे अपने पाठ्यक्रम को दोहराते हैं और पुनः दोहराते हैं और खुद को प्रत्येक विषय में बहुत अच्छा बना लेते हैं। नियमित अभ्यास का कोई भी विकल्प नहीं है, जो किसी को भी पूर्ण बना सके। बिना अभ्यास के आप केवल औसत प्रदर्शन कर सकते हैं, परन्तु किसी भी कार्य में पूर्ण प्रदर्शन नहीं दे सकते हैं।

अभ्यास एक ऐसा गुण है जो उपलब्धियों एवं सफलताओं का रास्ता प्रशस्त करता है। पुराने समय में बहुत से ऋषि मुनियों ने कठिन परिश्रम करके अनेक सिद्धियाँ प्राप्त किया करते थे। बहुत से राक्षसों ने और बहुत से राजाओं ने अपने कठिन परिश्रम के बल पर भगवानों से अनेक प्रकार के वरदान भी प्राप्त किये थे।

**निष्कर्ष**

ऐसी कोई भी शक्ति नहीं है, जो एक ही रात में आपको किसी भी विषय में महारथी बना दे। इसके लिए आपको निरंतर अभ्यास करना होगा क्योंकि आप अभ्यास बिना अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँच सकते हैं। आपको क्रिकेट सीखने के लिए क्रिकेट के मैदान में उच्च कौशल वाले अच्छे कोच के मार्गदर्शन में प्रतिदिन कई घंटों तक क्रिकेट का अभ्यास करना पड़ता है।